राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 350 | जौनपुर | रविवार, 10 अगस्त 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

भूपेंद्र यादव ने फर्जी वोट के आरोप पर राहुल गांधी पर निशाना साधा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) पर गंभीर आरोप लगाने के लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया , लोकसभा में विपक्ष के नेता पर गलत सूचना फैलाने और संवैधानिक निकायों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। यादव की यह टिप्पणी गांधी द्वारा कर्नाटक के महादेवपुरा निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मतदाता हेरफेर का आरोप लगाने के एक दिन बाद आई है और दावा किया कि 2024 के लोकसभा चुनाव भाजपा के पक्ष में ष्नाटकीयष् थे। पंजाबी बाग हत्याकांड के आरोपी को जमानत दे दी भूपेंद्र यादव ने राहुल गांधी के दावों और अधिकारियों के खिलाफ कांग्रेस नेता के लहजे की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, ष्कल उनका मूल बयान यह था कि महाराष्ट्र में एक करोड़ मतदाता बढ़े हैं... चुनाव आयोग के अनुसार, केवल 40 लाख मतदाता बढ़े हैं। यह राहुल गांधी के बयान से सीधे यादव ने इस संयोग की ओर इशारा करते हुए कहा, ष्महाराष्ट्र में उन्होंने अपनी अधिकांश सीटें वहीं जीती हैं जहां वोटों में वृद्धि हुई है। छात्र आउटरीच पहल भ्च्छम् का आयोजन किया गांधी की निंदा करते हुए यादव ने उन पर चुनाव आयोग के अधिकारियों के लिए धमकाने वाली भाषा का प्रयोग करने का भी आरोप लगाया।

स्वतंत्रता दिवस की सुरक्षा के लिए 10 हजार पुलिसकर्मी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले राष्ट्रीय राजधानी में कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए 10,000 से ज्यादा सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस आयुक्त एसबीके सिंह ने विशेष पुलिस आयुक्त (कानून–व्यवस्था) और पुलिस उपायुक्तों को अपने–अपने अधिकार क्षेत्र में कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया है। स्वतंत्रता दिवस पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्र को संबोधित करेंगे, तब लाल किले पर सुरक्षा के कई स्तर होंगे। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के अलावा, सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम और चेहरे की पहचान तकनीक के जरिए आयोजन स्थल और आसपास के इलाकों की निगरानी की जाएगी। अधिकारी ने बताया कि लाल किले के पास ऊँची इमारतों की सुरक्षा के लिए स्नाइपर और छतों पर निगरानी दल तैनात किए जाएँगे और निर्धारित प्रतिबंधित क्षेत्रों में आवाजाही को एक्सेस कंट्रोल मैकेनिज्म के जरिए सख्ती से नियंत्रित किया जाएगा।

रोजगार पैदा करने व राष्ट्रहित के लिए जरूरी : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के काकोरी में आयोजित काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव के समापन समारोह में देश की जनता से स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुएं के अपनाने से देश में रोजगार पैदा होंगे और ये राष्ट्रहित के लिए जरूरी है। आजादी की लड़ाई के दौरान महात्मा गांधी ने भी स्वदेशी का आह्वान किया था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गोरखपुर का चौरीचौरा कांड और लखनऊ का काकोरी कांड हमारे देश के महान क्रांतिकारियों के साहस का सबूत है। हम उनके साहस और बलिदान को

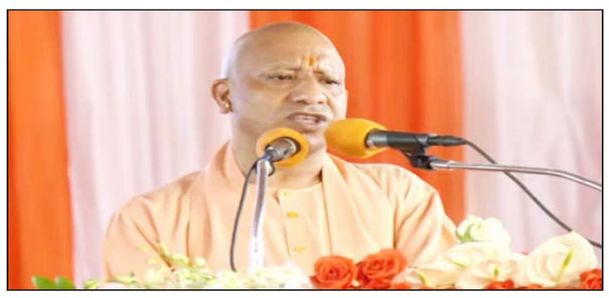

नमन करते हैं। इस मौके पर उन्होंने 13 अगस्त से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान के तहत घरों में तिरंगा लगाने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने शहीद जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया। सीएम योगी ने कहा कि आर्थिक राष्ट्रनिर्माण की शुरुआत हमारे उपभोग से होती है. विदेशी वस्तुएं खरीदने से न केवल हमारा धन देश से बाहर जाता है, बल्कि वह धन आतंकवाद और उग्रवाद को भी पोषण दे सकता है. उन्होंने अपील की कि आगामी त्यौहार पर स्वदेशी वस्तुएं खरीदें और उपहार दें. मुख्यमंत्री ने कहा, यदि हम थोड़ा महंगा भी खरीदें, लेकिन वह स्वदेशी हो, तो उसका लाभ देश को मिलेगा.मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को ऐतिहासिक काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी समारोह के समापन पर स्वतंत्रता संग्राम के अमर क्रांतिकारियों को नमन करते हुए वर्तमान पीढ़ी से राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी को जीवन का मंत्र बनाने की अपील की. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने, स्वदेशी हमारे जीवन का मंत्र बने, हम जियेंगे।

एनडीए ने मोदी और नड्डा को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार चुनने का अधिकार दिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा को सत्तारूढ़ दल के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को चुनने के लिए अधिकृत कर दिया। चुनाव आयोग ने एक अधिसूचना जारी करके चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू कर दी है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि गठबंधन के नेताओं ने सर्वसम्मति से मोदी और नड्डा, जो क्रमशः लोकसभा और राज्यसभा में सदन के नेता भी हैं, को अपना उम्मीदवार चुनने के लिए अधिकृत करने का फैसला लिया है। पंजाबी बाग हत्याकांड के आरोपी को जमानत

दे दी दोनों सदनों के सदस्यों वाले निर्वाचक मंडल में एनडीए के पूर्ण बहुमत के कारण, इस संवैधानिक पद के लिए गठबंधन के उम्मीदवार का चुनाव लगभग तय है। रिजिजू ने कहा कि संभावित विकल्पों पर कोई चर्चा नहीं हुई। यह पूछे जाने पर कि क्या सत्तारूढ़ गठबंधन अगले उपराष्ट्रपति पर आम सहमति बनाने के लिए विपक्ष से संपर्क करेगा, उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि फिलहाल मोदी और नड्डा को गठबंधन के उम्मीदवार की पहचान करने के लिए अधिकृत किया गया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अधिसूचना जारी, नामांकन प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अगले उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए 9 सितंबर को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया गुरुवार को चुनाव आयोग द्वारा अधिसूचना जारी करने के साथ शुरू हो गई। अधिसूचना के अनुसार, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है और दस्तावेजों की जाँच 22 अगस्त को की जाएगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 25 अगस्त है। उपराष्ट्रपति का पद 21 जुलाई को जगदीप धनखड़ के अचानक इस्तीफे के बाद रिक्त हो गया था, जिन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल अगस्त 2027 में समाप्त होना था। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, मध्यावधि चुनाव की स्थिति में, पदधारी को पूरे पाँच वर्ष का कार्यकाल मिलता है। अदालत ने हिरासत से रिहाई के मिशेल के अनुरोध को खारिज किया कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति के रूप में तब तक

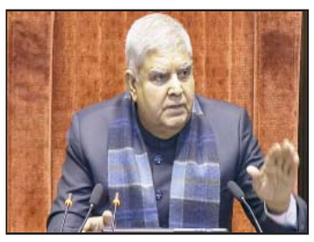

निर्वाचित नहीं हो सकता जब तक वह भारत का नागरिक न हो, 35 वर्ष की आयु पूरी न कर चुका हो और राज्यसभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के योग्य न हो। कोई व्यक्ति भारत सरकार, राज्य सरकार या किसी अधीनस्थ स्थानीय प्राधिकरण के अधीन किसी लाभ के पद पर आसीन होने पर भी उपराष्ट्रपति पद के लिए पात्र नहीं है। उपराष्ट्रपति चुनाव में सत्तारूढ़ एनडीए को स्पष्ट बढ़त हासिल है। उपराष्ट्रपति का चुनाव लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य करते हैं, साथ ही उच्च सदन के मनोनीत सदस्य भी मतदान के पात्र होते हैं। 543 सदस्यीय लोकसभा में एक सीट – पश्चिम बंगाल में बशीरहाट – रिक्त है, जबकि 245 सदस्यीय राज्यसभा में छह रिक्तियाँ हैं। राज्यसभा की छह रिक्तियों में से चार जम्मू–कश्मीर से, और एक–एक पंजाब और झारखंड से है। पंजाब की यह सीट पिछले महीने हुए उपचुनाव में राज्य विधानसभा के लिए चुने जाने के बाद आप नेता संजीव अरोड़ा के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

लोकतंत्र की साख बचाना जरूरी, ईसी जल्द करे कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाने के बाद देशभर में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच राहुल के आरोपों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी द्वारा चुनावों में धांधली के लगाए गए आरोपों को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि इन सवालों पर सभी दलों और मतदाताओं के हित में गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है। थरूर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारा लोकतंत्र बहुत कीमती है, इसे लापरवाही, अयोग्यता या जानबूझकर की गई छेड़छाड़ से कमजोर नहीं होने देना चाहिए। चुनाव आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और देश को जानकारी देते

रहना चाहिए। बता दें कि थरूर ने कांग्रेस द्वारा साझा किए गए राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस के वीडियो को टैग करते हुए यह टिप्पणी की। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनावों में बड़ी आपराधिक साजिश का आरोप लगाया था और दावा किया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से यह हुआ है। अपने बयान में राहुल गांधी ने कहा था कि कर्नाटक की एक सीट पर किए गए विश्लेषण से यह बात सामने आई है और यह संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने कहा कि इस तरह का वोट चोरी मॉडल देश के कई हिस्सों में इस्तेमाल किया गया और अब न्यायपालिका को भी इसमें दखल देना चाहिए, क्योंकि जिस लोकतंत्र से हम प्यार करते हैं, वह अब अस्तित्व में नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास जो सबूत हैं, वो आपराधिक प्रमाण हैं, और चुनाव आयोग देशभर में ऐसे सबूत नष्ट करने में लगा है। राहुल ने चुनाव आयोग को खुली चेतावनी देते हुए कहा मैं चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों से साफ कहता हूं जो आप कर रहे हैं वो देशद्रोह है। वक्त आएगा, हम आपको पकड़ेंगे और छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिर्फ वोटर जोड़ने वाले मामलों की जांच की है, जबकि वोटर हटाने के मामले इससे भी ज्यादा हो सकते हैं। चुनावों के नतीजे जनता के मूड से उलट क्यों आते हैं?साथ ही राहुल ने बताया कि कई बार उन्होंने महसूस किया कि जनता में गुस्सा था, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। उदाहरण देते हुए उन्होंने उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की घटनाओं को याद किया।

कानूनी सिद्धांतों को नजरअंदाज किया : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक फैसले पर नाराजगी जताई है। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने एक तय–अवधि की सजा के निलंबन की याचिका खारिज करते समय स्थापित कानूनी सिद्धांतों को नजरअंदाज किया। हाल ही में एक अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज को फटकार लगाई थी, जिन्होंने दीवानी विवाद में आपराधिक कार्रवाई की अनुमति दे दी थी। चार अगस्त को दिए गए एक अभूतपूर्व आदेश में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की बेंच ने हाईकोर्ट जज से आपराधिक मामलों की सुनवाई का अधिकार तब तक

छीन लिया, जब तक वह पद पर बने रहते हैं। कारण यह था कि उन्होंने गलती से एक दीवानी विवाद में आपराधिक समन को सही ठहराया था। इसी बेंच ने एक अन्य मामले में भी इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले को गलत करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यह आदेश इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक और ऐसा मामला है, जिससे हम निराश हैं। यह याचिका हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें हाईकोर्ट ने निचली कोर्ट द्वारा दी गई सजा को निलंबित करने से इनकार कर दिया था। जस्टिस पारदीवाला ने छह अगस्त के आदेश में कहा, हमें एक बार फिर यह कहने को मजबूर होना पड़ रहा है कि ऐसी गलतियां हाईकोर्ट स्तर पर इसलिए होती हैं, क्योंकि तय कानूनी सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि न्यायालय को सबसे पहले यह देखना चाहिए कि मामला किस विषय से जुड़ा है, फिर उसमें उठाए गए मुद्दों को समझना चाहिए और अंत में याचिकाकर्ता की दलीलों को ध्यान में रखते हुए सही कानूनी सिद्धांतों को लागू करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के आदेश को शकानूनी रूप से दोषपूर्णश बताया और कहा कि इसमें स्थापित न्यायिक परंपराओं का उल्लंघन हुआ है। यह मामला उस दोषी की अपील से जुड़ा था, जिसे पॉक्सो अधिनियम, भारतीय दंड संहिता और अनुसूचित जातिध अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत चार साल की कठोर सजा दी गई थी। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि सजाएं एक साथ चलेंगी। दोषी ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 389 के तहत सजा निलंबन की याचिका दाखिल की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने यह कहते हुए इसे खारिज कर दिया कि अपराध श्घृणितश था, और इस निर्णय में स्थापित कानूनी सिद्धांतों पर विचार नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस फैसले को रद्द कर दिया और कहा कि तय–अवधि की सजा को निलंबित करने के मामलों में अपीलीय अदालतों को उदार रवैया अपनाना चाहिए।

केंद्र सरकार ने लोकसभा से वापस लिया आयकर विधेयक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को 13 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया था। विधेयक की जांच के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में 31 सदस्यीय प्रवर समिति बनाई गई थी। समिति ने विधेयक की जांच की और 285 सुझाव दिए थे। समिति ने 21 जुलाई 2025 को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत कर दी। केंद्र सरकार ने प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशें सरकार द्वारा स्वीकार कर ली हैं। कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए हैं जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल करने की आवश्यकता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने

शुक्रवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रवर समिति की ओर से सुझाए गए बदलावों को शामिल करने के बाद विधेयक को नए रूप में लेकर आएगी। बताया जा रहा है कि विधेयक का नया संस्करण 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि विधेयक के विभिन्न संस्करणों के कारण भ्रम से बचने तथा सभी परिवर्तनों को शामिल करते हुए ।

बिहार में बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी : अमित शाह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रहे राजनीतिक विवाद को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल बहाने ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। एसआईआर को लेकर हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव किसे बचाना चाहते हैं? क्या आप उन बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं जो बाहर से आकर बिहार के लोगों की नौकरियाँ छीन लेते हैं? शाह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को ये वोट बैंक की राजनीति बंद करनी चाहिए और एसआईआर, ये पहली बार नहीं हो रहा है। इसकी शुरुआत जवाहरलाल नेहरू ने की थी और 2003 में भी यही हुआ था.. . बिहार चुनाव हारने के बाद ये बहाने ढूँढ रहे हैं। शाह ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए या नहीं? भारत का संविधान उन लोगों को वोट देने का अधिकार नहीं देता जो भारत में पैदा नहीं हुए। राहुल गांधी संविधान लेकर घूम रहे हैं, उन्हें भी इसे खोलकर पढ़ना चाहिए। एसआईआर, ये इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठिए इनका वोट बैंक हैं। अमित शाह ने कहा कि बिहार में बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं तेजस्वी यादव से पूछना चाहता हूँ, उनके पिता और माता लंबे समय तक सत्ता में रहे। गुंडागर्दी, गैंग चलाने, अपहरण करने, फिरौती मांगने के अलावा आपने मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया है? शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और लालू संसद में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहे हैं. ..लालू एंड कंपनी को पता नहीं है कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है।

किसानों का समर्थन जुटाने के लिए सड़कों पर उतरे

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब–हरियाणा हाईकोर्ट ने लैंड पूलिंग पॉलिसी पर रोक लगा दी है। इस फैसले के बाद विरोधी दल मुखर हो गए हैं। भाजपा, शिअद और कांग्रेस ने आप पर निशाना साधा है। हालांकि अदालत के संबंधित आदेशों की समीक्षा के बाद आप अपना अगला कदम तय करेगी, लेकिन फिलहाल विरोधियों को आप सरकार को घेरने का मौका मिल गया है। ये विरोधी दल कई दिनों से इस मुद्दे पर जमकर सियासत करते हुए किसानों का समर्थन जुटाने के लिए सड़कों पर उतरे हुए थे। विभिन्न जिलों में किसान और सियासी दल अलग–अलग प्रदर्शन कर रहे थे। उधर आपका दावा है कि लैंड पूलिंग नीति अधिग्रहण नहीं बल्कि एक स्वैच्छिक योजना है। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने लैंड पूलिंग नीति पर स्थगन आदेश जारी कर दिया है। जनहित के लिए हानिकारक नीतियों के संबंध में

सरकार के असफल मुकद्दमों के इतिहास को देखते हुए यह संभावना है कि किसानों की जमीन अधिग्रहण की यह पहल न्यायिक जांच में टिक नहीं पाएगी। नतीजतन, इस मामले में भी सरकार को हार का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, मुख्यमंत्री के लिए यह समझदारी होगी कि वे दिल्ली के हितों को त्यागकर पंजाब की भावनाओं को समझते हुए इस नीति को वापस ले लें। किसानों की चिंताएं सही और न्यायोचित साबित हुई हैं। आशा करते हैं कि आदेशों के बाद सत्ताधारी ताकतों के बीच बेहतर समझ मजबूत होगी और वे इस पॉलिसी को वापस लेने के कारणों को समझेंगे। हम पहले ही कह चुके हैं कि हम सभी कानूनी, वैध और लोकतांत्रिक तरीकों का उपयोग करके सरकार को इस नीति को वापस लेने के लिए मजबूर करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। इस फैसले के बाद आप हम हाईकोर्ट के फैसले का स्वागत करते हैं। पूरे प्रदेश में इस नीति के खिलाफ धरने और प्रदर्शनों का दौर जारी था मगर उसके बावजूद आप सरकार संज्ञान नहीं ले रही थी। क्योंकि सरकार पर दिल्ली का दबाव था। अब देखनाहोगा कि मान सरकार इस फैसले को समझने की कोशिश करती है या नहीं।

संपादकीय

किसान हित पहले

देश को धीरे–धीरे समझ आने लगा है कि भारतीय कृषि व डेरी क्षेत्र में अमेरिकी उत्पाद खपाने के लिये ही डोनाल्ड ट्रंप टैरिफ आंतक फैला रहे हैं। यही वजह है कि पहले संयम दिखाने के बाद भारत ने निरंकुश ट्रंप सरकार को चेता दिया है कि भारतीय किसानों व दुग्ध उत्पादकों के हितों की बलि नहीं दी जा सकती। हमारे लिये यह देश की एक बड़ी कृषि व डेरी उद्योग से जुड़ी आबादी के जीवन–यापन का भी प्रश्न है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप द्वारा अतार्किक टैरिफ बढ़ाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। साथ ही उन्होंने देश के किसानों को आश्वस्त किया है कि उनके हितों से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। भारत में हरित क्रांति के सूत्रधार,प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन की जन्म शताब्दी के मौके पर उनका यह बयान और महत्वपूर्ण व प्रासंगिक हो जाता है। कृतज्ञ राष्ट्र स्वीकार करता है कि स्वामीनाथन के हरित क्रांति में योगदान से भारत खाद्यान्न की कमी से उबरकर आज खाद्यान्न अधिशेष वाला राष्ट्र बन गया है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि भारत वाशिंगटन के उन मंसूबों पर पानी फेरने के लिये खड़ा हो गया है, जिनके तहत अमेरिका मक्का, सोयाबीन, सेब, बादाम और इथेनॉल जैसे उत्पादों से कम टैरिफ के साथ भारत के बाजार को पाटना चाहता है। निस्संदेह, भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले तीन प्रमुख क्षेत्रों कृषि, डेरी फार्मिंग और मत्स्य पालन से जुड़े करोड़ों लोगों की अजीविका की रक्षा करने के लिये प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता सराहनीय है। हालांकि, इस दृढ़ संकल्प की परीक्षा ट्रंप शासन द्वारा ली जाएगी। जो भारत द्वारा रूस से सस्ती दरों पर कच्चा तेल खरीदने के मुद्दे को लेकर लगातार दबाव बना रहा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि भारतीय राजनीति में किसान उत्पादक व उपभोक्ता से इतर बड़ा राजनीतिक घटक भी है। ऐसे में जाहिर है कि प्रधानमंत्री मोदी कृषक समुदाय को किसी भी कीमत पर नाराज नहीं करना चाहेंगे। इसमें दो राय नहीं कि विगत में भी किसान असंतोष को राजनीतिक हथियार बनाने में विपक्ष ने कोई कोर–कसर नहीं छोड़ी थी। खासकर केंद्र सरकार ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ वर्ष 2020–21 में दिल्ली की सीमाओं पर साल भर चले किसान आंदोलन से कड़वा सबक सीखा है। किसान लंबे समय तक अपनी मांगों को लेकर डटे रहे थे। जिसके बाद अंततरू इन विवादास्पद कानूनों को निरस्त कर दिया गया था। इस बीच आंदोलन में किसानों ने अपने अनेक साथियों को खोया था। दरअसल, आंदोलनकारी किसानों की एक मुख्य मांग– विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी देने की थी। कृषि संगठनों के साथ लंबी चली कई दौर की बातचीत के बावजूद एमएसपी मुद्दे पर गतिरोध कायम है। आज अमेरिकी दबाव का सामना करने के लिये विभिन्न हितधारकों को एकजुट होने की आवश्यकता है। बहरहाल, अमेरिका के खतरनाक मंसूबे अब उजागर होने लगे हैं। वह भारत के बाजार को अपने डेरी उत्पादों के लिये डंपिंग ग्राउंड बनाने पर आमादा है। निस्संदेह, डोनाल्ड ट्रंप के हमले का सामना करने के लिये भारतीय कृषि बाजार को अधिक लचीला और लाभदायक बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वहीं दूसरी ओर भारतीय किसानों पर बढ़ता भारी कर्ज भी एक चिंताजनक स्थिति है।

सामंजस्य से तय हो जनता के प्रति जवाबदेही

मोहन

भारत को अपने लोकतंत्र को मजबूत करना है, तो सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों को मिलकर संसद की कार्यवाही को सुचारू बनाने और जनहित में काम करने की दिशा में कदम उठाने होंगे। केवल सहयोग और सार्थक विमर्श के माध्यम से ही संसद अपनी वास्तविक भूमिका निभा और जनता का विश्वास जीत सकती है। भारत, विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र, अपनी संसद के माध्यम से जनता की आवाज को प्रतिनिधित्व देता है। लोकसभा और राज्यसभा, जो भारत की द्विसदनीय संसद के दो अंग हैं, राष्ट्रीय नीतियों, कानून निर्माण और जनहित के मुद्दों पर चर्चा के लिए महत्वपूर्ण मंच हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में संसद के सत्रों में विपक्ष के हंगामे और व्यवधानों की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसके परिणामस्वरूप संसद की कार्यवाही बार–बार बाधित हुई है। इन व्यवधानों का न केवल संसदीय कार्यवाही बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। विपक्षी दलों द्वारा संसद में हंगामा करना कोई नई बात नहीं है। यह अक्सर सरकार की नीतियों, विधेयकों या किसी विवादास्पद मुद्दे पर असहमति जताने का एक तरीका होता है। उदाहरण के लिए, 2021 के मॉनसून सत्र में इंश्योरेंस बिल को लेकर विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी, कागज फाड़ने और काले झंडे दिखाने जैसे कदम उठाए थे। हाल ही में, 2025 के मॉनसून सत्र में पहलगाम आतंकी हमले, ऑपरेशन सिंदूर और बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे मुद्दों पर विपक्ष ने हंगामा किया, जिसके कारण लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही बार–बार स्थगित हुई। ये व्यवधान न केवल समय की ही बर्बादी करते हैं, बल्कि संसद की गरिमा और कार्यकुशलता को भी प्रभावित करते हैं। विपक्षी सांसदों द्वारा सभापति के आसन के समीप नारेबाजी, तख्तियां लहराना और कार्यवाही में बाधा डालना आम बात हो गई है। 2023 के शीतकालीन सत्र में, सुरक्षा चूक के मुद्दे पर विपक्ष के हंगामे के कारण 146 सांसदों को निलंबित किया गया, जो संसद के इतिहास में एक अभूतपूर्व कदम था। संसद की कार्यवाही में व्यवधान का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव वित्तीय नुकसान के रूप में सामने आता है। संसद को चलाने की लागत बहुत अधिक है, जिसमें सांसदों के वेतन, भत्ते, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों का खर्च और अन्य प्रशासनिक लागत शामिल हैं। एक अनुमान के अनुसार, संसद को चलाने की प्रति मिनट लागत लगभग 2.5 लाख रुपये है, जो प्रति घंटे 1.5 करोड़ रुपये के बराबर है। वर्ष 2025 के मॉनसून सत्र में, राज्यसभा के उपसभापति के अनुसार, विपक्ष के हंगामे के कारण 51.3 घंटे की कार्यवाही बर्बाद हुई, जिसका अनुमानित वित्तीय नुकसान 76 करोड़ रुपये से अधिक है। यह राशि करदाताओं से आती है, और इसका दुरुपयोग न केवल आर्थिक नुकसान है, बल्कि जनता के प्रति जवाबदेही की कमी को भी दर्शाता है। वित्तीय नुकसान के अलावा, संसद में हंगामे का सबसे गंभीर प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर पड़ता है। संसद का प्राथमिक उद्देश्य जनता के मुद्दों पर सार्थक चर्चा करना और कानून बनाना है। व्यवधानों के कारण महत्वपूर्ण विधेयक, जैसे वक्फ संशोधन विधेयक या इनकम टैक्स बिल, बिना उचित चर्चा के स्थगित हो जाते हैं या जल्दबाजी में पारित कर दिए जाते हैं। इससे न केवल नीतियों की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि जनता के हितों की भी उपेक्षा होती है। हंगामे के कारण संसद में बहस की गुणवत्ता में भी कमी आई है। सांसदों का ध्यान विधायी चर्चा के बजाय मीडिया में सुर्खियां बटोरने और टकराव पर केंद्रित हो गया है। इसके परिणामस्वरूप, नागरिकों की प्रमुख चिंताएं, जैसे बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण, संसद में प्रभावी ढंग से उठाई नहीं जातीं। यह स्थिति संसद के प्रति जनता के विश्वास को कमजोर करती है और लोकतंत्र की नींव को कमजोर करती है। संसद को देश की राजनीति का केंद्र माना जाता है, लेकिन बार–बार होने वाले हंगामे और सांसदों का अमर्यादित व्यवहार इसकी गरिमा को ठेस पहुंचाता है। जनता चाहती है कि संसद पूरे समय चले, राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा हो और सत्तापक्ष व विपक्ष के बीच सहमति बने।

शहरीकरण व जलवायु परिवर्तन की चुनौती से जूझें

मयंक

भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है। देश में चल रहे मानसून मौसम में पूरे देश में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है, जैसा कि भारत के मौसम विज्ञान विभाग ने पूर्वानुमान दिया था। कई राज्यों में भारी बारिश हुई है, जिसमें पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश के कारण आपदाएं जैसे भूस्खलन और अचानक बाढ़ की घटनाएं सामने आई हैं। हिमालयी क्षेत्रकृहिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू–कश्मीर में लगातार, व्यापक और तीव्र बारिश हुई है। इस मौसम की सबसे भयंकर आपदाओं में से एक उत्तरकाशी जिले के धराली में आई, जहां कथित रूप से बादल फटने से आई अचानक बाढ़ ने जान–माल का नुकसान किया। यह क्षेत्र की पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील स्थिति में अनियंत्रित विकास के खतरे की गंभीर याद दिलाता है। मैदानों में भी मानसून का कहर जारी है, जहां बड़े शहरों में सड़कों पर जलभराव, जान–माल के नुकसान और पुरानी संरचनाओं का ढह जाना देखा जा रहा है। सोशल मीडिया पर जलजमाव के कारण भारी ट्रैफिक जाम, सड़कों और राजमार्गों पर कार और ट्रकों का सिंक होल में गिरना, स्कूलों और कार्यालयों में फंसे लोग तथा बिजली की चपेट में आने जैसी दुखद घटनाओं की तस्वीरें वायरल हो रही हैं। कुछ नए बने हवाई अड्डों की इमारतें लगातार बारिश को सहन नहीं कर पाईं। प्रभावित शहर जैसे बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और मुंबई आर्थिक गतिविधियों के महत्वपूर्ण केंद्र और आउटसोर्सिंग हब हैं। बारिश से होने वाले प्रभावों को केवल 'प्रकृति का क्रोध' मान लेना गलत होगा। जो कुछ भारतीय शहर मानसून में जलभराव बढ़ने की जिस चुनौती को झेल रहे हैं, वह अतार्किक शहरी नियोजन, बुनियादी ढांचे की अनदेखी, नगर निगम के नियमों के उल्लंघन, हरियाली और खुले क्षेत्रों के कटाव, बड़े पैमाने पर कंक्रीट का उपयोग आदि का संयुक्त परिणाम है। इसके ऊपर जलवायु परिवर्तन भी है, जो स्वयं मानव निर्मित समस्या है। दशकों से वैज्ञानिक अत्यधिक वर्षा की घटनाओं में वृद्धि की चेतावनी दे रहे हैं, जो जलवायु परिवर्तन का परिणाम

है। एक चरम मौसम घटना तब होती है जब किसी स्थान पर सामान्य मात्रा से कहीं अधिक वर्षा या हिमपात होता है, जैसा कि हमारे कई शहरों में हो रहा है। किसी शहर या क्षेत्र की औसत वर्षा सामान्य सीमा में रह सकती है, लेकिन कुछ दिनों या स्थानों पर बहुत कम समय में भारी वर्षा होती है, जिससे जलजमाव और स्थानीय बाढ़ होती है। यह स्थिति केवल बिगड़ती ही जाएगी क्योंकि भारत में तीव्र गति से शहरीकरण हो रहा है। वर्तमान अनुमान के अनुसार, 2050 तक लगभग एक अरब भारतीय शहरों में रह रहे होंगे। लेकिन अगर भारतीय शहर अपनी वर्तमान विकास दिशा पर चलते रहे, तो वे अपनी पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाएंगे, जैसा कि विश्व बैंक की हाल की रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है। विश्व बैंक के अनुसार, भारत के शहर अत्यधिक जनसंख्या घनत्व और बड़ी संपत्ति के केंद्र होने के कारण जलवायु प्रभावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। शहरों में ग्रामीण इलाकों की तुलना में जलवायु प्रभाव और आपदाएं अधिक होती हैं क्योंकि वे अत्यधिक आपस में जुड़ी हुई प्रणालियों पर निर्भर हैं। जब मुख्य बुनियादी ढांचा जैसे राजमार्ग या बिजली ग्रिड टूटते हैं, तो यह एक शृंखला प्रतिक्रिया को जन्म देता है जिससे बुनियादी ढांचे की विफलता होती है और शहर ठप हो जाता है। बाढ़ सड़कें बंद कर व यातायात बाधित कर सकती है, बिजली लाइनों को प्रभावित और आर्थिक नुकसान कर सकती है, जैसा कि वर्तमान में देखा जा रहा है। हर साल मानसून के कारण हो रही इस अराजकता को देखते हुए स्पष्ट है कि हमारे शहर आगे के शहरीकरण और जलवायु परिवर्तन की दोहरी चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार नहीं हैं। शहरों के पास इन प्रभावों को प्रबंधित करने की सीमित क्षमता है। उनका नियोजन और प्रबंधन प्रणाली तेजी से हो रहे शहरीकरण, जलवायु प्रभावों और विकास तथा सेवाओं की मांग के साथ तालमेल नहीं बिठा पा रही है। मौजूदा प्रणाली पुरानी हो चुकी हैकृकई मामलों में, ये ब्रिटिश राज काल से विरासत में मिली हैं। उदाहरण के लिए, हैदराबाद की नालियां और वर्षाजल निकासी प्रणाली सदी पहले सर एम विश्वेश्वरैया द्वारा लगभग पांच लाख की आबादी के लिए डिजाइन की गई थी। उस समय यह प्रणाली आधुनिक मानी जाती थी और भविष्य के विकास तथा सौंदर्यशास्त्र व शहरी नियोजन जैसी चिंताओं को ध्यान में रखती थी। हैदराबाद को झीलों और बागों का शहर माना जाता था।

..... विविध .....

आपकी सेहत की दुश्मन हैं ये 10 चीजें

आज के समय में कैंसर जैसी गंभीर बीमारी बढ़ती जा रहीं है। यह एक गंभीर बीमारी का एक मुख्य कारण हमारी जीवनशैली और खानपान है। कई वैज्ञानिक अध्ययनों में यह स्पष्ट किया गया है कि कुछ खास प्रकार के खाद्य पदार्थों के लगातार सेवन से शरीर में कैंसर कोशिकाओं के विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है। इस लेख में ऐसे 10 आम खाद्य पदार्थों के बारे में, बताया गया है, जिनका ज्यादा या बार–बार सेवन करने से कैंसर होने का कारण बन सकता है।

1. प्रोसेस्ड मीट

प्रोसेस्ड मीट वह मांस होता है जिसे लंबे समय तक स्टोर करने या उसका स्वाद बढ़ाने के लिए प्रिजर्वेशन की प्रक्रिया से गुजारा गया हो। ये रसायन शरीर के अंदर जाकर छ–दपजतवेव बवउचवनदके में बदल जाते हैं, जो आंतों में कैंसर पैदा कर सकते हैं।

सॉसेज, हॉट डॉग, बेकन, सलामी इन सभी का ज्यादा सेवन करने से कैंसर होने का खतरा ज्यादा रहता है।

कौन सा कैंसर

कोलन (बड़ी आंत), पेट का कैंसर होता है।

2. रेड मीट

रेड मीट में उच्च मात्रा में प्रोटीन और वसा होता है, जिसे पचाने में शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। यह प्रक्रिया आंतों में सूजन और कैंसरकारी तत्वों के निर्माण को बढ़ावा देती है।

उदाहरण गाय का मांस (बीफ), बकरी का मांस (मटन), सुअर का मांस (पोर्क) करने से भी कैंसर होने का खतरा रहता है।

कौन सा कैंसर

इन सभी चिजों का सेवन करने से कोलन, अग्न्याशय (Pancreas), प्रोस्टेट कैंसर हो जाता है।

3. डीप फ्राइड और जला हुआ खाना

तेज तापमान पर तला या जला खाना नामक रसायन उत्पन्न करता है, जिसे संभावित कैंसरकारी तत्व माना जाता है।

उदाहरण– फ्रेंच फ्राइज, पकौड़े, जली रोटी, ग्रिल्ड मीट का ज्यादा सेवन करने से भी कैंसर हो जाता है।

कौन सा कैंसर

पेट, गला, मुंह और आंतों का कैंसर हो जाता है।

4. अधिक चीनी और शुगर ड्रिंक्स

ज्यादा शक्कर से मोटापा बढ़ता है, जो कई तरह के कैंसर (जैसे ब्रेस्ट और गर्भाशय कैंसर) का कारण बन सकता है। यह शरीर में इंफ्लेमेशन (सूजन) भी बढ़ाता है, जो कैंसर कोशिकाओं को विकसित करने में सहायक होता है।

उदाहरण– कोल्ड ड्रिंक, मिठाइयां, केक, कुकीज से भी कैंसर हो सकता है।

कौन सा कैंसर

ब्रेस्ट, गर्भाशय, कोलन, अग्न्याशय में कैंसर हो जाता है।

5. अल्कोहल

अल्कोहल लिवर में टूट कर एसीटैल्डिहाइडनामक रसायन बनाता है, जो डीएनए को नुकसान पहुंचाकर कैंसर कोशिकाएं बना सकता है।

कौन सा कैंसर

जिससे लिवर, ब्रेस्ट, मुंह, गले और फेफड़ों का कैंसर हो जाता है।

WHO का मानना है कि अल्कोहल की कोई भी सुरक्षित मात्रा नहीं है।

6. ज्यादा नमक वाला खाना

अधिक नमक पेट की म्यूकस परत को नुकसान पहुंचाता है, जिससे जैसे बैक्टीरिया को ग्रोथ का मौका मिलता है, जो पेट के कैंसर से जुड़ा होता है।

अचार, चिप्स, इंस्टेंट नूडल्स, डिब्बाबंद सब्जियां।

कौन सा कैंसर

पेट का कैंसर हो जाता है।

7. माइक्रोवेव पॉपकॉर्न

इनकी पैकिंग में नामक रसायन होता है, जो लिवर, किडनी और ब्लैडर कैंसर से जुड़ा पाया गया है।

8. आर्टिफिशियल स्वीटनर

कुछ शोधों में पाया गया है कि ये रसायन मूत्राशय (ब्लैडर) में कोशिकाओं की असामान्य ग्रोथ को बढ़ा सकते हैं। हालांकि, इस पर वैज्ञानिक मतभेद है।

सैकरिन, एस्पार्टेम, सुक्रालोज (डाइट ड्रिंक्स और मिठाइयां) को ज्यादा सेवन करने से भी कैंसर होने का खतरा बढ़ जाता है।

9. डिब्बाबंद और प्रोसेस्ड फूड

इनमें BPA जैसे रसायन और प्रिजर्वेटिव्स होते हैं, जो हार्मोनल असंतुलन और डीएनए डैमेज कर सकते हैं।

कौन सा कैंसर

ब्रेस्ट, प्रोस्टेट, एंडोमेट्रियल कैंसर होता है।

10. सोडा और एनर्जी ड्रिंक्स

इनमें कृत्रिम रंग, कैफीन, हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप और एसिड होता है, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाकर कैंसर को बढ़ावा दे सकते हैं।

कैंसर से बचने के उपाय

ताजा फल और सब्जियां खाएं, घर का बना खाना अधिक खाएं, फास्ट फूड और पैकेज्ड फूड कम करें, पानी और हर्बल चाय अधिक लें, धूम्रपान और शराब से दूर रहें, नियमित व्यायाम और योग अपनाएं, वजन नियंत्रण में रखें। इन सभी नियमों का अपनी रोजाना जीवन में पालना करने से कभी कैंसर होने का खतरा नहीं रहेगा।

बच्चे के जन्म के बाद, महिलाओं का मासिक धर्म चक्र क्यों बदल जाता है

पहली बार मां बनने वाली माताओं के मन में बच्चे को जन्म देने के बाद उनके शरीर में होने वाले बदलावों को लेकर कई सवाल होते हैं और सबसे बड़ी चिंता स्तनपान के दौरान पीरियड्स मिस होने के बारे में है। अकसर बच्चे के जन्म के बाद, महिलाओं का मासिक धर्म चक्र बदल जाता है। जो महिलाएं स्तनपान नहीं कराती हैं, उनमें मासिक धर्म चक्र अक्सर पहले शुरू हो जाता है और पहला मासिक धर्म चक्र जन्म देने के लगभग 6 सप्ताह बाद शुरू होता है, जो लगभग 40: मामलों में होता है। ज्यादातर महिलाओं में, जन्म देने के 24 सप्ताह बाद मासिक धर्म चक्र फिर से शुरू हो जाता है। हालांकि, कुछ मामलों में मासिक धर्म चक्र और फिर कुछ महीनों तक एमेनोरिया के मामले फिर से नियमित हो जाते हैं। स्तनपान कराने वाली महिलाओं में मासिक धर्म चक्र देर से शुरू होता है क्योंकि स्तन के दूध में मौजूद प्रोलैक्टिन हाइपोथैलेमस, पिट्यूटरी ग्रंथि और अंडाशय की गतिविधि में बदलाव लाता है और मासिक धर्म चक्र को धीमा कर देता है। प्रसव के बाद महिलाओं का मासिक धर्म चक्र काफी अनियमित और अलग होता है।

आइए से समझते हैं कि ऐसा क्यों होता है और इससे जुड़ी अन्य महत्वपूर्ण बातें क्या हैं..

1. हार्मोनल बदलाव ही मुख्य कारण

जब मां अपने नवजात शिशु को स्तनपान कराती है, तब उसके शरीर में प्रोलैक्टिन नामक हार्मोन का स्तर बढ़ता है। यह हार्मोन स्तन में दूध बनाने के लिए जिम्मेदार होता है। लेकिन प्रोलैक्टिन का एक और प्रभाव होता है, यह ओव्यूलेशन (अंडोत्सर्ग) को दबा देता है। जब ओव्यूलेशन नहीं होता, तो मासिक धर्म भी नहीं आता। इसलिए, जब तक मां नियमित रूप से और विशेषकर दिन–रात स्तनपान करवा रही होती है, तब तक प्रोलैक्टिन का स्तर ऊचा रहता है, जिससे पीरियड्स नहीं आते।

2. लैक्टेशनल एमेनोरिया क्या है?

एक प्राकृतिक गर्भनिरोधक तरीका भी माना जाता है। LAM तब प्रभावी होता है, जब बच्चा 6 महीने से छोटा हो। मां नियमित रूप से स्तनपान करवा रही हो (कोई फार्मूला दूध नहीं दे रही)। मां का मासिक धर्म शुरू नहीं हुआ हो। इस स्थिति में गर्भवती होने की संभावना केवल 2: से भी कम होती है।

3. कब तक रुके रह सकते हैं पीरियड्स?

यह हर महिला के शरीर पर निर्भर करता है, क्योंकि कुछ महिलाओं में डिलीवरी के 6–8 हफ्ते बाद ही पीरियड्स लौट आते हैं, खासकर अगर वह स्तनपान नहीं करवा रही हैं। पर जो महिलाएं पूरी तरह से स्तनपान करवा रही हैं, उनके पीरियड्स 6 महीने से लेकर 1 साल तक भी नहीं आते। लेकिन कुछ मामलों में जब तक स्तनपान चलता रहता है (यहां तक कि 18–24 महीने तक), तब तक मासिक धर्म नहीं आता।

4. क्या बिना पीरियड्स के भी ओव्यूलेशन हो सकता है?

हां, यह संभव है कि बिना पीरियड्स के भी ओव्यूलेशन हो सकता है। क्योंकि कुछ महिलाओं में ओव्यूलेशन पहले होता है और मासिक धर्म बाद में आता है। इसका मतलब है कि स्तनपान के दौरान भी गर्भधारण संभव है, भले ही पीरियड्स ना आ रहे हों। इसलिए यदि आप गर्भवती नहीं होना चाहतीं, तो उचित गर्भनिरोधक उपाय जरूरी हैं, भले ही मासिक धर्म रुका हुआ हो।

5. क्या पीरियड्स आने से दूध की मात्रा या गुणवत्ता पर असर पड़ता है?

कुछ महिलाओं को पीरियड्स शुरू होने पर दूध की मात्रा में हल्का फर्क महसूस होता है। यह बदलाव आमतौर पर हार्मोनल होता है और अस्थायी होता है। जेससे दूध की गुणवत्ता और पोषण पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ता। बता दे कि इस दौरान मां को अच्छी डाइट, पर्याप्त पानी और आराम की जरूरत होती है।

6. डॉक्टर से कब सलाह लें?

आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

लेदर के साथ ही अब नॉन लेदर फुटवियर का गढ़ बनेगा यूपी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश अब लेदर के साथ नॉन लेदर उत्पादों का भी गढ़ बनेगा। इस क्षेत्र

को प्रोत्साहन देने के लिए बनाई गई उत्तर प्रदेश फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र विकास नीति–2025 को कैबिनेट ने स्वीकृति दे दी। इस नीति के लागू होने के साथ ही लेदर सेक्टर में 22 लाख नए रोजगार के अवसर सृजित हो गए हैं। वर्तमान में ये सेक्टर 15 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार दे रहा है। बृहस्पतिवार को एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने बताया कि भारत लेदर सेक्टर में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है, जिसमें उत्तर प्रदेश की भागीदारी महत्वपूर्ण है। अकेले कानपुर और उन्नाव में 200 से अधिक सक्रिय टेनरियां कार्यरत हैं, जबकि आगरा को देश की श्फुटवियर राजधानीश के रूप में जाना जाता है। इससे न केवल लेदर और नॉन–लेदर फुटवियर निर्माण इकाइयों को बढ़ावा मिलेगा बल्कि इससे जुड़ी सहायक इकाइयों को भी विशेष प्रोत्साहन मिलेगा। इससे एकीकृत फुटवियर मैन्युफैक्चरिंग ईकोसिस्टम तैयार किया जाएगा। वर्ष 2023–24 में भारत से फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर क्षेत्र का कुल निर्यात 4.7 अरब डॉलर था, जिसमें अमेरिका, जर्मनी, यूके, इटली, फ्रांस, स्पेन और नीदरलैंड्स शामिल हैं। अगले चार वर्ष में ये निर्यात 8 अरब डॉलर होने का अनुमान है। यूपी देश के सबसे महत्वपूर्ण फुटवियर, लेदर और नॉन लेदर केंद्रों में से एक है। यहां लेदर इंडस्ट्री का बाजार लगभग 350 करोड़ डालर है।

महापौर ने पूछा... खाली कराई जमीन पर दोबारा तो नहीं हुए कब्जे

लखनऊ, (संवाददाता)। सरकारी जमीनों की स्थिति जानने के लिए महापौर ने बृहस्पतिवार को नगर निगम के संपत्ति विभाग की समीक्षा बैठक की। उन्होंने अफसरों से पूछा कि खाली कराई गई जमीन पर दोबारा तो कब्जे नहीं हो गए? इसे लेकर रिपोर्ट तलब की है।

महापौर सुषमा खर्कवाल ने नगर निगम के 212 गांवों की जमीन, उनके प्रकार (उसर, बंजर, परती, चारागाह, तालाब आदि) तथा ग्रामवार विवरण मांगा। इसके अलावा अब तक जितने स्थानों पर तारबाड़ और सूचना बोर्ड लगाए गए हैं उनकी फोटो प्रस्तुत करने के लिए कहा। महापौर ने सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, राजस्व परिषद, दीवानी न्यायालय और पीपी एक्ट के तहत लंबित रिट व मुकदमों की संख्या व स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट तलब की। तालाबों, चरागाहों की सुरक्षा, मनोरथ गोशाला विवाद की स्थिति और भू–माफिया से सांठगांठ को लेकर भी अधिकारियों को घेरा। उन्होंने पूछा कि इन जमीनों को बचाने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। अंत में चेतावनी दी कि यदि विभागीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और भूमाफियाओं से सांठगांठ की शिकायतें फिर सामने आईं तो जिम्मेदार पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त नम्रता सिंह, संपत्ति विभाग प्रभारी सहायक नगर आयुक्त रामेश्वर प्रसाद सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार, लेखपाल, कानूनगो थे। महापौर ने यह भी कहा कि पूर्व में नगर निगम एनओसी देकर करोड़ों की आय करता था, लेकिन संपत्ति विभाग की निष्क्रियता से अब यह अधिकार एलडीए के पास चला गया है। इससे निगम को आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने इस पर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बाराबंकी–हैदरगढ़ मार्ग पर बस पर गिरा पेड़, चार महिलाओं सहित पांच की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। बाराबंकी जिला मुख्यालय से नौ किलोमीटर दूर हैदरगढ़ मार्ग पर रोडवेज की अनुबंधित बस पर गूलर का पेड़ गिर गया। पेड़ बस के अगले हिस्से पर गिरा। हादसे में चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। एक महिला की पहचान शहर के मोहल्ला गुलरिया गार्दा की निवासी शिक्षा मेहरोत्रा (53) के रूप में हुई है। तीन अन्य महिलाओं की आयु 40 से 45 साल के मध्य है। पेड़ काटकर लोगों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 40 लोग सवार थे। हादसे के बाद कई यात्री खिड़की से कूदकर निकले। बारिश के दौरान हुए हादसे के कारण राहत व बचाव कार्य में देर लगी। मृतकों के परिजनों को मिलेंगे पांच लाख रुपये

घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के परिजनों को घ्5 लाख की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

सवारियां लेकर बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही बस पर करीब साढ़े 10 बजे जैदपुर थाना क्षेत्र की ग्राम हरख में स्थित राजा बाजार के पास पेड़ गिर पड़ा। पेड़ इतनी तेज गिरा कि बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बारिश के बीच में पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। बस के अंदर फंसे लोगों की चीखपुकार दिल को दहला देने वाली थी। पेड़ काटने का काम वन विभाग के कर्मचारियों ने किया। ग्रामीण सहयोग में लगे रहे। सीएमओ अवधेश कुमार यादव ने बताया कि हादसे में चार महिला व एक ड्राइवर सहित कुल पांच की मौत हुई है।

बस में सवार एक यात्री नादिया ने बताया कि वो देवाशरीफ होकर वापस लौट रही थीं कि रास्ते में हादसा हो गया। हादसे में उनकी मां घायल हुई हैं। कोटवा निवासी शिक्षिका शैल कुमारी ने बताया कि वह असंद्रा ट्रेनिंग के लिए जा रही थीं। अचानक बस चालक ने जोर से आवाज लगाई और उसी समय बस पर पेड़ गिर चुका था, जिससे कई यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ घंटे बाद पेड़ को काटकर हटाया गया तब यात्री बाहर निकल पाए।

विदेश नीति फेल, किसान–नौजवान संकट में, भाजपा शिक्षा–विकास विरोधी – अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने केंद्र सरकार की विदेश नीति को पूरी तरह असफल करार दिया है। उन्होंने कहा कि पाबंदियों और बिगड़ते अंतरराष्ट्रीय रिश्तों के चलते देश गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहा है। किसान, नौजवान, उद्योग और व्यापारी सभी तबाह हो रहे हैं। संसद परिसर में बुध वार को मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार देश को हर मोर्चे पर विफलता की ओर ले जा रही है।उन्होंने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार को किसानों, दूध और खेती से जुड़े उत्पादों, नौजवानों और रोजगार के बारे में दस साल पहले सोचना चाहिए था। लेकिन अब हर वर्ग संकट में है। उद्योगपति और किसान दोनों बर्बाद हो रहे हैं। नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा है। देश कहां जा रहा है?ष्पूर्व मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा वाले कहते थे कि श्दुनिया में भारत का डंका बज रहा हैश, लेकिन अब प्रधानमंत्री और सरकार को जो बातें कहनी पड़ रही हैं, वह बेहद दुखद हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार ने विदेश नीति कुछ चुनिंदा कारोबारियों को फायदा पहुंचाने के लिए चलाई? उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा ने किसान की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन आज किसान की हालत बदतर है और महंगाई चरम पर है।अखिलेश यादव ने अमेरिका से भारत के ऐतिहासिक रिश्तों की ओर इशारा करते हुए सवाल किया कि आखिरकार ऐसी स्थिति क्यों बनी कि आज वहां से भी रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं? उन्होंने दो टूक कहा, ष्विदेश नीति देश के हित में होनी चाहिए, न कि कुछ पूंजीपतियों के लिए।श्प्रदेश की योगी सरकार को भी निशाने पर लेते हुए अखिलेश यादव ने श्पीडीए पाठशालाश वाले बयान पर तीखा हमला किया।

संक्षिप्त खबरें

भाषा विवि का दीक्षांत समारोह 14 अक्तूबर को

लखनऊ, (संवाददाता)। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय का 10वां दीक्षांत समारोह 14 अक्तूबर को होगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल इसकी अध्यक्षता करेंगी। दीक्षांत समारोह में स्नातक, परास्नातक व पीएचडी 1400 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएगी। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति प्रो. अजय तनेजा की अध्यक्षता में बृहस्पतिवार को बैठक हुई। इसमें कुलसचिव, वित्तनियंत्रक, सभी संकायों के डीन और विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। कुलपति ने सभी शिक्षकों को कार्यक्रम से संबंधित जिम्मेदारी दी। साथ ही परीक्षा विभाग को उपाधि व पदकों के संबंध में तैयारी पूरी करने का निर्देश दिया। कुलसचिव महेश कुमार ने बताया कि यह दीक्षांत समारोह की तैयारियों की पहली बैठक थी। अगली बैठक में मुख्य अतिथि के नाम पर विचार, मानद उपाधि प्राप्तकर्ता के नाम पर विचार कर उनका नाम तय किया जाएगा। समारोह में 1400 विद्यार्थियों को उपाधि दिया जाना तय हुआ है।

मंदिरों में चढ़े फूलों से महकेगा रोजगार

लखनऊ, (संवाददाता)। मंदिरों में चढ़ाए जाने वाले फूल अब जल प्रदूषण का कारण नहीं बनेंगे, बल्कि रोजगार का नया साधन बनेंगे। केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौध संस्थान (सीमैप), लखनऊ ने ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे मंदिरों के फूलों से अगरबत्ती, धूपबत्ती और हवन कप बनाए जाएंगे। इस तकनीक के जरिये न केवल पर्यावरण को लाभ मिलेगा, बल्कि बड़े पैमाने पर आजीविका के नए रास्ते भी खुलेंगे। सीमैप की ओर से विकसित इस तकनीक का हस्तांतरण बृहस्पतिवार को वाराणसी की फर्म मेसर्स डिवाइन कीर्ति प्राइवेट लिमिटेड को किया गया। इस मौके पर सीमैप के निदेशक डॉ. प्रबोध कुमार त्रिवेदी ने कंपनी के निदेशकों सोनल गुप्ता और रोहित कुमार गुप्ता को समझौता ज्ञापन सौंपा। तकनीक के जरिये मंदिरों और धार्मिक स्थलों से एकत्र किए गए फूलों से निर्मित उत्पाद भक्तों और स्थानीय दुकानों के माध्यम से बेचे जाएंगे। यह पहल स्वच्छ भारत अभियान, कौशल विकास मिशन और सामाजिक आजीविका अभियान से भी जुड़ी होगी। इस अवसर पर व्यापार विकास विभाग के प्रमुख डॉ. रमेश कुमार श्रीवास्तव, डॉ. संजय कुमार, मनोज कुमार यादव सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

एलिवेटेड पुल के खिलाफ प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। हैदर कैनाल पर बनने वाले एलिवेटेड पुल के खिलाफ हैदर कैनाल कल्याण समिति ने विरोध प्रदर्शन किया। चारबाग स्थित पीसीएफ हैदर कैनाल से प्रदर्शनकारी पैदल मार्च करते हुए विधानसभा की ओर बढ़े। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें महाराणा प्रताप चौराहे पर रोका। पूर्व पार्षद अमित सोनकर ने कहा कि एलिवेटेड पुल का प्रोजेक्ट 100 वर्ष पुराना है, लेकिन हम लोग यहां पांच पीढ़ियों से रह रहे हैं। हम विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन बस्ती को उजाड़े बिना यह काम किया जाए।

संक्षिप्त खबरें

दीक्षांत समारोह के लिए बनीं 17 समितियां

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में 10 सितंबर को होने वाले 68वें दीक्षांत समारोह को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने 17 समितियों का गठन किया है। इस संबंध ा में कुलसचिव की ओर से पत्र जारी किया गया है। कुलपति के निर्देश पर गठित होने वाली समितियों में आयोजन समिति, पांडाल समिति, मंच सज्जा समिति, पदक पुरस्कार एवं उपाधि समिति, परिधान समिति, मुद्रण समिति, सांस्कृतिकी समिति, स्वागत समिति, छात्र आमंत्रण समिति, वालंटियर समिति, अनुशासनात्मक समिति, परिसर साज सज्जा समिति, कार्यक्रम संचालन समिति, शोभायात्रा समिति, महाविद्यालय समन्वय समिति, स्वाअल्पाहार समिति और तकनीकी समिति शामिल हैं।

रायबरेली के मंदिरों में चमकेगा पर्यटन, 5.75 करोड़ की सात योजनाओं को मिली मंजूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार ने रायबरेली जिले में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों के विकास योजना के अंतर्गत जिले की सात धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण और आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए 5. 75 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन परियोजनाओं के तहत मंदिर परिसरों और उनके आसपास के क्षेत्रों को पर्यटन की दृ ष्टि से आकर्षक बनाया जाएगा, जिससे न केवल स्थानीय संस्कृति और विरासत को संरक्षित किया जा सकेगा, बल्कि क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को भी नई गति मिलेगी।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या, मथुरा और काशी जैसे बड़े तीर्थ स्थलों के साथ–साथ प्रदेश के अन्य जनपदों के मंदिरों और शक्तिपीठों का भी सुनियोजित विकास किया जा रहा है। इसी क्रम में लखनऊ मंडल के अंतर्गत रायबरेली जिले के विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। इनमें फसाड लाइटिंग, सौंदर्यीकरण, पाथवे, पेयजल और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।स्वीकृत परियोजनाओं में विकास खंड डीह स्थित ठाकुर बाबा मंदिर ग्राम किन्नावा के पर्यटन विकास हेतु 1 करोड़ रुपये, परशुराम घाट पर विकास कार्य के लिए 1 करोड़ रुपये, ग्राम पंचायत चितचनियां स्थित शिव मंदिर के लिए 1 करोड़ रुपये और ग्राम कत्रावां बछरावां में मुडियाडीह आश्रम व चामुंडा शक्तिपीठ प्राचीन मंदिर के विकास हेतु भी 1 करोड़ रुपये की राशि शामिल है।इसके अतिरिक्त बुढ़ेश्वर मंदिर ग्राम सभा कोडरस बुजुर्ग के लिए 75 लाख रुपये, हरचंदपुर स्थित गहिरेश्वर बाबा गहिरी स्थल के लिए 50 लाख रुपये तथा सरेनी के तेलारकुटी व बाजपेईपुर के गेगासो मां गंगा तट पर पर्यटन विकास कार्यों हेतु 50 लाख रुपये की भी मंजूरी प्रदान की गई है।पर्यटन मंत्री ने बताया कि रायबरेली की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर को विश्व पटल पर स्थापित करने की दिशा में यह प्रयास महत्वपूर्ण है। लखनऊ से निकटता और बेहतर कनेक्टिविटी ने रायबरेली को पर्यटन के नए केंद्र के रूप में उभरने का अवसर दिया है। जिले में महेश विलास जैसी ऐतिहासिक इमारतें, इंदिरा गांधी वानस्पतिक उद्यान, समसपुर पक्षी विहार, बेहटा पुल और गंगा तट पर बसा ऐतिहासिक नगर डलमऊ पर्यटकों को विशेष रूप से आकर्षित करते हैं।सरकार का लक्ष्य है कि धार्मिक आस्था स्थलों को पर्यटन केंद्रों से जोड़कर जनभागीदारी को बढ़ाया जाए और स्थानीय लोगों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराए जाएं।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दो दिवसीय दौरा कर राहत एवं प्रबंधन कार्यों की समीक्षा की

लखनऊ, (संवाददाता)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने बाढ़ प्रबंधन और राहत कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के लिए भदोही, वाराणसी, मऊ एवं जौनपुर जनपदों में दो दिवसीय दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ प्रभावित बस्तियों और मोहल्लों का दौरा कर आम जनता से सीधे संवाद स्थापित किया तथा उनके समस्याओं को सुना और मौके पर ही त्वरित समाधान के निर्देश दिए।मंत्री ने अपने भ्रमण के दौरान जनप्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठकें आयोजित कीं, जिसमें उन्होंने उनसे क्षेत्र की स्थिति का फीडबैक प्राप्त किया। जौनपुर में आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधि ाकारी ने बताया कि विद्युत आपूर्ति की स्थिति संतोषजनक है, लेकिन निचले स्तर के कुछ कर्मचारी लापरवाही कर रहे हैं। इस पर ऊर्जा मंत्री ने अध ीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि वे लापरवाह कर्मचारियों की पहचान कर अनुशासनात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें।लखनऊ में संबंधित विभागीय अधिकारियों को मंत्री ने प्रभावित क्षेत्रों में जलस्तर घटने के बाद युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाने और विद्युत आपूर्ति को शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के माध्यम से सभी राहत एवं पुनर्वास कार्यों की दैनिक प्रगति की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जाए। क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर, तार और पोल की मरम्मत कार्य युद्धस्तर पर कराए जाने के साथ–साथ बिजली से जुड़े सभी खतरों से बचाव हेतु सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए।मंत्री ए.के. शर्मा ने स्पष्ट किया कि सरकार हर हाल में जनता के साथ खड़ी है और प्रत्येक प्रभावित परिवार तक राहत एवं मदद पहुंचाना प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को टीम भावना, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ राहत कार्यों को प्रभावी ढंग से अमल में लाने के निर्देश भी दिए।

लखनऊ में ताला तोड़कर चोरी करने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का भंडाफोड़, 35 लाख के जेवरात बरामद

लखनऊ, (संवाददाता)। राजध ानी लखनऊ के आशियाना थाना क्षेत्र में ताला तोड़कर घरों में घुसने और लाखों के आभूषण चुराने वाले अंतरजनपदीय गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने इस गिरोह के चार शातिर चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 35 लाख रुपये के सोने–चांदी के आभूषण, एक चोरी की मोटरसाइकिल और अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में लखीमपुर खीरी और लखनऊ के निवासी शामिल हैं। गिरोह बीते कई महीनों से लखनऊ में बंद घरों की रेकी कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक आशियाना थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस और क्राइम टीम (डीसीपी मध्य) की संयुक्त कार्रवाई में यह सफलता मिली है। मुखबिर की सूचना पर बुधवार को बीबीएयू विश्वविद्यालय के पास स्थित सर्विस लेन से चार आरोपियों को चोरी की योजना बनाते समय गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की पहचान लखीमपुर खीरी निवासी सुधीर कश्यप, गौरव सिंह और मोहम्मद जिसान के साथ–साथ लखनऊ के गोमतीनगर निवासी नमित मिश्रा के रूप में हुई है। पूछताछ में सभी ने कई चोरियों की बात स्वीकार की है और उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी गया माल भी बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी सुधीर कश्यप एक कुख्यात अपराधी है, जिस पर लखीमपुर खीरी और लखनऊ के विभिन्न थानों में हत्या के प्रयास, चोरी, लूट और मारपीट जैसे गंभीर अपराधों के 11 से अधिक मामले दर्ज हैं। गिरोह का पूरा संचालन सुध ीर ही करता था, जो अपने साथियों के साथ मिलकर लखनऊ के अलग–अलग मोहल्लों और कॉलोनियों में बंद पड़े मकानों की रेकी करता था। गिरोह के सदस्य पहले उन मकानों को चिन्हित करते जिनमें ताले लगे होते या जिनमें लंबे समय से कोई हलचल न दिखाई देती। इसके बाद ये लोग दिन या रात के समय मौका देखकर मुख्य दरवाजे का ताला तोड़ते और घर के भीतर घुसकर पूरी सफाई से कीमती आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर देते थे।गिरफ्तारी के बाद आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने इनके ठिकानों से भारी मात्रा में सोने–चांदी के जेवरात बरामद किए हैं।

शूटरों का गोपालघाट पर हुआ अंतिम संस्कार, एसओजी व एसटीएफ ने मार गिराया था

लखनऊ, (संवाददाता)। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड के शूटरों संजय तिवारी उर्फ अकील खान और राजू तिवारी उर्फ रिजवान का शुक्रवार को अंतिम संस्कार कर दिया गया। राजू के बेटे ने मुखाग्नि दी। इस दौरान राजू व संजय की बहन, भाई राहुल व अन्य परिचित गोपालघाट पर मौजूद रहे। इस दौरान साथ में एसओजी, स्थानीय पुलिस व एलआईयू की टीमें भी मौजूद रहीं। बता दें कि राघवेंद्र बाजपेयी की 8 मार्च को इन्हीं शूटरों ने हेमपुर ओवरब्रिज पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। पांच माह बाद 7 अगस्त को यह एसओजी व एसटीएफ के हत्थे चढ़े। पुलिस मुठभेड़ में दोनो गम्भीर रूप से घायल हुए। अस्पताल ले जाने के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की आठ मार्च को हुई हत्या के मामले में पुलिस को बृहस्पतिवार को सफलता मिल गई। जेल भेजे गए तीन आरोपियों से पूछताछ में दोनों शूटरों संजय तिवारी उर्फ अकील खान और उसका छोटा भाई राजू तिवारी उर्फ रिजवान का नाम सामने आया था। करीब पांच माह की मेहनत के बाद एसओजी व एसटीएफ शूटरों की गतिविधि ट्रैक कर सकी। इस बीच एसओजी श्रावण माल में कांवड़ियों के वेश में भी घूमी। इसी टीम ने बृहस्पतिवार भोर में करीब 4रू30 बजे दोनों के हरदोई से पिसावां की ओर आने की जानकारी दी। इसी इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की और मुठभेड़ में दोनों को ढेर कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार आठ मार्च को वारदात के बाद से ही एसओजी की स्वॉट, सर्विलांस और नारकोटिक्स टीमें शूटरों की तलाश में जुट गई। शूटरों के नोएडा में होने की जानकारी मिली। एसओजी ने वहां डेरा डाल दिया। कई दिन तक टीम के सदस्य फेरी वाले बनकर टोह लेते रहे। नोएडा में शिकंजा कसते देखकर शूटर संजय तिवारी और राजू तिवारी हरदोई जनपद आ गए। एसओजी के इस इनपुट के आधार पर पुलिस कांवड़ियों के वेश में शूटरों की तलाश में जुट गई। तीन हजार नंबरों को शॉर्ट लिस्ट किया गया। उन्हें सर्विलांस पर लगाया गया। इनमें से संदिग्ध 60 नंबरों की विशेष रूप से जांच की गई। इधर, एसओजी को मुखबिर से बुधवार को ही इनपुट निला कि बृहस्पतिवार को शूटर हरदोई बॉर्डर क्रॉस करेंगे। दोनों सीतापुर जनपद की सीमा में आएंगे। उनका इरादा किसी दूसरे सुरक्षित ठिकाने पर जाने का है। यहां वह कुछ वारदात भी कर सकते हैं। एसपी अंकुर अग्रवाल ने एसओजी प्रभारी सत्येंद्र विक्रम सिंह को स्ट्राइक टीम के साथ आगे रहने का निर्देश दिया। स्ट्राइक टीमों की संख्या दो रखी गई। तीसरी टीम एएसपी उत्तरी आलोक सिंह व चौथी टीम एएसपी दक्षिणी दुर्गेश सिंह के नेतृत्व में अलर्ट की गई। एसटीएफ की पांचबी टीम भी शामिल रही। एसटीएफ को कवर करने के लिए उपनिरीक्षक दीपक तोमर के नेतृत्त्व में एक टीम लगी। एसपी अंकुर अग्ग्रवाल ने बताया कि पांचों टीमें बुधवार रात से ही अलर्ट पर रहीं। बृहस्पतिवार को हरदोई से टीमें लगातार मूवमेंट पर नजर रख रही थीं। इसी बीच पिसावां के दूल्हापुर तिराहे के पास आरोपी ट्रेस हो गए। हालांकि उनकी पहचान उस समय क्लीयर नहीं थी। संदिग्ध ा मानकर उन्हें रुकने का इशारा किया गया। इसके बाद संजय व राजू ने पुलिसकर्मियों पर फायर झोंक दिए। करीब दो राउंड फायरिंग हुई। इसके बाद दोनों भागने लगे। पुलिसकर्मियों ने आत्मरक्षा में गोली चलाई। इसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

संपत्ति विभाग की समीक्षा बैठक में महापौर सुषमा खर्कवाल सख्त

लखनऊ, (संवाददाता)। ,लखनऊ नगर निगम की महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को समिति कक्ष में संपत्ति विभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर आयुक्त गौरव कुमार, अपर नगर आयुक्त (संपत्ति) नम्रता सिंह, सहायक नगर आयुक्त (संपत्ति) रामेश्वर प्रसाद सहित विभाग के सभी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, लेखपाल, कानूनगो और अन्य अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे। महापौर ने बैठक के दौरान नगर निगम की कुल 212 ग्रामों की भूमि, उनके प्रकारकृउसर, बंजर, परती, चारागाह, तालाब आदिकृका ग्रामवार विस्तृत विवरण मांगा। उन्होंने रिक्त कराई गई भूमि की वर्तमान स्थिति पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या ये स्थल अब भी खाली हैं या फिर से अवैध कब्जे हो चुके हैं।महापौर ने संपत्ति विभाग से यह स्पष्ट जानकारी भी मांगी कि अब तक किन–किन स्थलों पर तारबाड़ और सूचना बोर्ड लगाए गए हैं तथा उनके फोटोग्राफ्स भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, राजस्व परिषद, दीवानी न्यायालय और पीपी एक्ट के अंतर्गत लंबित रिट और मुकदमों की संख्या व वर्तमान स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की गई।बैठक में महापौर ने लेखपालों और राजस्व निरीक्षकों की कार्य डायरी, जनशिकायतों के निस्तारण की स्थिति, तथा मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और समाधान दिवस में प्राप्त जन शिकायतों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

नेपाल से अवैध मार्ग से भारत में प्रवेश कर रही बैंकॉक की महिला, दो भारतीयों संग गिरफ्तार

गोरखपुर, (संवाददाता)। सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के बीओपी डंडा हेड के जवानों ने अवैध रास्ते से थाईलैंड की एक महिला सहित दो भारतीय पुरुष को पकड़कर अग्रिम कार्रवाई हेतु सोनौली पुलिस को सौंप दिया है। सशस्त्र सीमा बल 66 वीं वाहिनी के कार्यवाहक कमांडेंट विप्लव दौलाऊ ने बताया कि प्रतिदिन की तरह डंडा हेड के जवान गश्त पर निकले थे। भारत नेपाल सीमा के पिलर संख्या 519 से लगभग 6 किमी दूरी पर महुअवा गांव जो अवैध रास्ता है से चार पहिया वाहन से आ रहे थे जिसपर दो भारतीय पुरुष के साथ एक विदेशी महिला पकड़ी गई। पूछताछ में दोनों पुरुष अपना नाम कैलाश निवासी पुरषोत्तम पुर थाना नौतनवां और दूसरा इदू निवासी खरहरवा थाना कोल्हुई तथा महिला ने पूछताछ में अपना नाम मिस सुपाप्रोन निवासी थाईलैंड बताया। पूछताछ में बताई कि बैंकाक से नेगी जी और उसका पासपोर्ट और भारतीय वीजा वैध है परन्तु वह इमिग्रेशन चेकपोस्ट सोनौली के स्थान पर महुअवा गांव जो आवागमन के लिए अवैध मार्ग से भारतीय सीमा में कर रही थी। इसलिए थाई महिला को हिरासत में लेकर सोनौली पुलिस को सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है।

59 में 43 स्वर्ण पदकों पर छात्राओं का कब्जा

गोरखपुर, (संवाददाता)। 25 अगस्त को होने वाले दीक्षांत समारोह के मद्देनजर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय की तरफ से सभी विषयों के टॉपर्स की अनंतिम सूची जारी कर दी गई है। सूची के मुताबिक, 59 में 43 स्वर्ण पदकों पर छात्राओं का कब्जा रहेगा। इस सूची पर छात्र–छात्राएं 11 अगस्त तक आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। अनंतिम श्रेष्ठता सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट एवं सूचना पट्ट पर प्रकाशित कर दी गई है। डीडीयू प्रशासन के मुताबिक, सत्र 2024–25 में कुल 59 विभागों के टॉपर्स को विश्वविद्यालय स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे। अनंतिम सूची के मुताबिक, डीडीयू और कॉलेजों के इन विभागों के 59 टॉपर्स में से 43 पर (72.88 प्रतिशत) छात्राओं ने अपना परचम फहराया है। सूची के मुताबिक, बीए में एमएमएम पीजी कॉलेज, भाटपाररानी की छात्रा अंकिता मद्धेशिया ने 9.14 सीजीपीए के साथ विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बीएससी में सेंट जोसेफ्स कॉलेज फॉर वूमेन की अक्षिता सिंह 8.80 सीजीपीए के साथ टॉपर बनी हैं। बीकॉम में डीडीयू की ज्योति 8.83 सीजीपीए के साथ टॉपर बनी हैं।

कॉलेजों से भी निकले विश्वविद्यालय के टॉपर

सत्र 2024–25 में विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। कुल टॉपर्स में से 17 विद्यार्थी (28.81 प्रतिशत) कॉलेजों के ही हैं। इनमें भी ज्यादातर टॉपर्स ग्रामीण क्षेत्र के कॉलेजों से हैं।

शिक्षणेत्तर उपलब्धियों के लिए मुस्कान व अंजली चयनित

शिक्षणेत्तर पाठ्यक्रमों के लिए दो विशिष्ट पदक प्रदान किए जाते हैं। इसके लिए चयनित दोनों छात्राएं डीडीयू कैंपस की हैं। छात्रा मुस्कान जायसवाल को ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ स्वर्ण पदक और भूगोल की शोधार्थी अंजली शुक्ला को महायोगी गुरु गोरक्षनाथ स्मृति स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।

पिछले सत्रों के आठ टॉपर्स को भी स्वर्ण पदक

सत्र 2021–22 के बीपीएड के सत्र में देरी के कारण उसके टॉपर की घोषणा अब तीन साल बाद की गई है। सत्र 2021–22 की टॉपर मोहसिना खातून को बीपीएड टॉपर के रूप में स्वर्ण पदक मिलेगा। इसी तरह एमएससी एग्रीकल्चर के छह पाठ्यक्रमों और एमबीए के सत्र 2023–24 के टॉपर्स को भी इस बार दीक्षांत के मंच से स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे।

हेमा शर्मा को अतुल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक

अनंतिम सूची के मुताबिक, बीए जेएमसी में विश्वविद्यालय की छात्रा हेमा शर्मा ने 8.19 सीजीपीए के टॉप किया है। उन्हें विश्वविद्यालय पदक के साथ ही अमर उजाला की ओर से प्रदान किया जाने वाला श्श्श्श्अतुल माहेश्वरी स्मृतिश्श्श्श स्वर्ण पदक भी मिलेगा। पत्रकारिता के प्रति प्रोत्साहन के लिए यह स्मृति पदक वर्ष 2019 से दिया जा रहा है। इस तरह सातवीं बार यह स्मृति पदक स्नातक पत्रकारिता के विद्यार्थी को मिलेगा।

बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी की छात्रा मानसी चौधरी बनी वैज्ञानिक

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। बाल निकुंज गर्ल्स एकेडमी, बेलीगारद , अलीगंज लखनऊ की इंटरमीडिएट सत्र 2020 की छात्रा मानसी चौधरी (पुत्री स्वर्गीय श्री रविशंकर चौधरी निवासी–बेलीगारद सेक्टर–पी अलीगंज लखनऊ) का चयन साइंटिफिक ऑफीसर पोस्ट पर भारत सरकार के उद्यम न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड (एन पी सी आई एल) में हुआ है। खास बात यह है कि इस मेधावी छात्रा ने यह सफलता बिना किसी कोचिंग ट्यूशन के बेसिक पुस्तको पर निर्भर रहकर ही प्राप्त किया है। तात्पर्य यह हुआ कि दृढ़ निश्चय पक्का इरादा हो तो सफलता अवश्य मिलती है। विगत दो वर्षों में कॉलेज के चार मेधावियों ने वैज्ञानिक फील्ड में प्रवेश कर कॉलेज का नाम रोशन किया है। कॉलेज छात्रा की इस सफलता पर प्रबंधिका पुष्पा जयसवाल, प्रबंध निदेशक एच एन जायसवाल, प्रधानाचार्या डॉ अनूप कुमारी शुक्ला, कोऑर्डिनेटर सुधीर मिश्रा एवं गुरुजनों ने सफलता पर आशीर्वाद अर्पित करते हुए उसके भविष्य की शुभकामनाएं कीं।

राजू विश्वकर्मा के जन्म दिवस पर विश्वकर्मा चौरिटेबल संस्था वसई में नई समिति का गठन

ब्यूरो धनन्जय विश्वकर्मा

महाराष्ट्र/वसई। श्रावण मास के पावन अवसर पर दिनांक 8 अगस्त को श्री विश्वकर्मा चौरिटेबल संस्था वसई, के अध्यक्ष श्री राजू विश्वकर्मा जी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। यह समारोह श्री राधे श्याम विश्वकर्मा जी के कार्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था की नई कार्यकारिणी समिति का भी गठन किया गया, जिसमें निम्नलिखित पदाधिकारियों को उनके पदभार सौंपे गए–

सह–अध्यक्ष– श्री राधे श्याम विश्वकर्मा

उपाध्यक्ष– श्री रामस्वरूप राणा

सचिव– श्री भागीरथ मिस्त्री

सचिव– श्री महेश राणा

सचिव– श्री चंद्रसेन विश्वकर्मा

इस दौरान, उपस्थित सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और सहयोगियों से यह अपील की गई कि वे एकजुट होकर विश्वकर्मा पूजा को सफल बनाने और संस्था को और अधिक मजबूत करने में अपना योगदान दें।

एम. आर. जयपुरिया, गोयल कैंपस ने दी रक्षाबंधन पर्व को दी नई परिभाषा

सिटी रिपोर्टर प्रत्यूष पाण्डेय

लखनऊ। सेठ एम. आर. जयपुरिया, गोयल कैंपस में रक्षाबंधन के अवसर पर उत्सव की शुरुआत एक अनोखे अंदाज में ऐसे हुई कृ जब विद्यार्थियों ने वृक्षों को राखी बाँध कर प्रकृति और मानवता के बीच गहरे बंधन का संदेश दिया। राखी बनाने की प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रेम, एकता और प्रकृति जैसे विषयों को रंगों से जीवंत कर दिया। विद्यार्थियों ने विद्यालय के सहयोगी कर्मचारियों को राखी बाँधकर उनके मौन लेकिन अमूल्य योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त किया। सीनियर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने इस भावना को और आगे बढ़ाते हुए राखी चौरिटी ड्राइव का आयोजन किया। खुले दिल से उन्होंने जरूरतमंद बच्चों के लिए सामान एकत्र कर भेंट किया। इस अवसर पर गोयल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन श्री महेश अग्रवाल ने हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि रक्षाबंधन न केवल भाई–बहन के रिश्ते को मजबूत करता है बल्कि

परिवारों को आंतरिक दृढ़ता भी प्रदान करता है। प्रधानाचार्या डॉ. रीना पाठक ने विद्यार्थियों और उनके परिवारों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा, "यह पर्व प्रेम,सम्मान, विश्वास का प्रतीक है । इस प्रकार यह पर्व यादों की अनुपम मिठास से युक्त रहा और सभी ने खूब मजे भी किए।

जौनपुर में कदीम तरही शब्बेदारी, अदब और मातम से गूंजा इमामबारगाह कल्लू मरहूम

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर की शब्बेदारी अदब और मातम की वो रिवायत है, जो पीढ़ियों को जोड़ती है। सैयद हादी अब्बास जौनपुर की सरजमीन पर शनिवार की रात कध्दीम तरही शब्बेदारी का शानदार और पुरअसर आयोजन इमामबारगाह कल्लू मरहूम में अंजाम दिया गया। सालों पुरानी यह रिवायत इस बार भी पूरे अदब, एहतराम और मातमी जज्बात के साथ निभाई गई, जिसमें शहर और बाहरी जिलों से आए अजादारों, शायरों और अंजुमनों ने शिरकत की। महफिल की खास रौनक तब बढ़ी जब सैयद हादी अब्बास (मछलीगांव, अंबेडकर नगर) ने अपनी तशरीफअवरी से शिरकत की। तरही मिसरा पेश होने के बाद कई नामचीन शायरों ने अपने अशआर से समा बांधा और अहल–ए–बैत अ.स. की याद में पुरखल्लूस नजराने पेश किए। इस अवसर पर मिंजाजिब की जिम्मेदारी अंजुमन जाफरिया रजी

ताड़तला ने निभाई। सादर जनाब नजमुल हसन नजमी साहब ने महफिल की नेहा पेश कर मेहमानों का इस्तकबाल किया और इस रिवायती आयोजन की अहमियत पर रोशनी डाली।

आयोजन की व्यवस्था में जनरल सेक्रेटरी जनाब वसीम हैदर साहब का अहम किरदार रहा। उनके साथ कमिटी के तमाम साथी कृ जो पूरी रात मेहमानों की खिदमत और इंतजाम में मुस्तैद रहे कृ ने अपनी मेहनत और मोहब्बत से कार्यक्रम को कामयाब बनाया।

इमामबारगाह की फिजा मातमी रंग में डूबी रही, जहां हर तरफ सोज, गम और अदब की महक थी। मेहमानों ने जौनपुर की मेहमाननवाजी, इंतजाम और भाईचारे की भरपूर तारीफ की। यह शब्बेदारी न सिर्फ एक धार्मिक और अदबी जलसा रही, बल्कि मोहब्बत, इत्तेफाक और रिवायत की जीती–जागती मिसाल भी साबित हुई।

दिवंगत कार्यकर्ता प्रभात की बहन से राखी बंधवाएंगे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

गोरखपुर, (संवाददाता)। दिवंगत कार्यकर्ता प्रभात पांडेय की याद में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय नौ अगस्त को रक्षाबंधन के दिन गोरखपुर के देईपार गांव आएंगे। यहां वे प्रभात की बहन से राखी बंधवा कर दिवंगत कार्यकर्ता को श्रद्धांजलि देंगे और परिजनों के साथ संवेदना साझा करेंगे। गीडा क्षेत्र अंतर्गत देईपार गांव निवासी प्रभात पांडेय (30) की पिछले साल 18 दिसंबर को लखनऊ में विधानसभा घेराव के दौरान संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। कांग्रेस महानगर अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष रक्षाबंधन के दिन सड़क मार्ग से चल कर पूर्वाह्न 11 बजे देईपार दिवंगत प्रभात पांडेय के आवास पर पहुंचेंगे। इसके बाद प्रदेश अध्यक्ष अजय राय उसी दिन वाराणसी में शहीद विशाल पांडेय के घर जाकर उनकी बहनों से राखी बंधवाएंगे। फरवरी 2019 में हेलिकाप्टर क्रैश में विशाल पांडेय का निधन हो गया था।

संक्षिप्त खबरें

चीनी मिल की जमीन पर अतिक्रमण, कर ली खेती

भदोही, (संवाददाता)। पूर्वांचल की गोल्ड मेडलिस्ट औराई चीनी मिल की जमीन पर भी अतिक्रमण शुरू हो गया है। कुछ लोगों ने चीनी की जमीन पर धान की खेती कर ली है। तहसील के समीप ही अतिक्रमण हो रहा है लेकिन तहसील प्रशासन अब तक इसे लेकर संजीदा नहीं है। औराई में 70 के दशक में पूर्व केंद्रीय मंत्री पं. श्यामधार मिश्र के प्रयास से औराई चीनी मिली की स्थापना हुई थी। आधा दर्जन जिलों की दुलारी चीनी मिल को बेहतर चीनी उत्पादन के लिए गोल्ड मेडल भी मिल चुका है। वर्ष 2007 में मिल को घाटे में दिखाकर बंद कर दिया गया था। मिल बंद होते ही हजारों किसानों की जहां उम्मीद टूट गई, वहीं मजदूरों का रोजगार छिन गया। समय–समय पर इसे चालू करने का सब्जबाग भी दिखाया जाता रहा लेकिन मिल नहीं चली। शासन की उपेक्षा से इसके उपकरण जंग की भेंट चढ़ गए हैं। औराई चीनी मिल कुल 95 एकड़ रकबे में स्थापित है। उस दौरान सहसेपुर, भवानीपुर, खोरीडीह, अमीरपट्टी, महथुआ, जेठूपुर के कुल 87 किसानों की भूमि अधिग्रहीत की गई थी। अब इसकी जमीन पर अतिक्रमण शुरू हो गया है। चीनी मिल के सेवानिवृत्त कर्मचारी घनश्याम शुक्ला ने बृहस्पतिवार को उप जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि चीनी मिल की जमीन पर कुछ लोगों ने धान की रोपाई कर ली है। उक्त भूमि का उपयोग चीनी मिल के पानी की निकासी के लिए बाहे के रूप में किया जाता रहा है। उप जिलाधिकारी बरखा सिंह ने बताया कि शिकायत मिली है। राजस्वकर्मियों को जांच का निर्देश दिया गया है। जांच के बाद अतिक्रमण हटाया जाएगा। वहीं अतिक्रमण करने वालों पर भी कार्रवाई होगी।

ऑपरेशन सिंदूर और फोटो वाली राखियों से संजेगी भाइयों की कलाई

भदोही, (संवाददाता)। भाई–बहन के प्रेम के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन पर्व शनिवार को मनाया जाएगा। पर्व को खास बनाने के लिए हर स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। जिले में समूह की महिलाएं जहां ऑपरेशन सिंदूर वाली राखियां सीमा पर तैनात जवानों को भेजेंगी, वहीं जनपद में भी प्रमुख जनप्रतिनिधियों और नेताओं के नाम की राखियां तैयार की गईं हैं। 15 अगस्त को सभी थानों में भी रक्षाबंधन मनाया जाएगा। चौरी क्षेत्र के धनवतिया गांव में शिवशंकर स्वयं सहायता समूह और सफल आजीविका नाम के दो महिला समूह की सदस्य खास तरह की राखियां तैयार कर रही हैं। समूह का संचालन करने वाली वंदना देवी व अर्चना देवी ने बताया कि वे राखियों की डिजाइन स्वयं तय करती हैं। बताया हर साल नई डिजाइनों की मांग रहती है और उसी हिसाब से डिजाइन तैयार की जाती है। अच्छी डिजाइनों के लिए सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जाता है। समूह में काम करने वाली शिल्पी, नुरफसा बानो, सुनीता ने कहा कि समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर ही नहीं, बल्कि अपने कला कौशल को प्रदर्शित करने का मौका भी देता है। समूह से 250 महिलाएं जुड़ी हैं। पर्यावरण के अनुकूल सामग्री से बनाई गई खास एक हजार राखियों को तिरंगे का रंग दिया गया है। इसे सीमा पर तैनात जवानों को भेजा गया है। वहीं भाई–बहन के चित्र वाली राखियों की भी खूब डिमांड है। इस साल अब तक महिलाओं ने 30 हजार राखियां तैयार की हैं।

एनकाउंटर में मारा गया झारखंड का बदमाश छोटू धनबदिया

प्रयागराज, (संवाददाता)। एसटीएफ की प्रयागराज यूनिट ने गुरुवार की भोर में चार लाख रुपये शातिर अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह उर्फ छोटू धनबदिया निवासी जे सी मल्लिक रोड , धनबाद, झारखंड को पुलिस ने मुठभेड़ में मार गिराया। अपराधी के कब्जे से पुलिस को एके 47 समेत भारी मात्रा में कारतूस और खोखे बरामद हुए हैं। घेराबंदी के दौरान अपराधी ने पुलिस पर एके 47 से हमला कर दिया। इसमें एसटीएफ टीम बाल–बाल बच गई। जवाबी कार्रवाई में शातिर बदमाश को मार गिराया गया। इन्काउन्टर के दौरान एसटीएफ यूनिट प्रयागराज के तीन कर्मचारी व अधिकारी जेपी राय, प्रभंजन व रोहित सिंह एके 47 के हमले में बाल–बाल बच गए। जवाबी फायरिंग में एसटीएफ ने बदमाश को गोली मार दी। घायल अवस्था में उसे गिरफ्तार कर शंकरगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मारा गया बदमाश कई मामलों में वांछित था और उसके ऊपर पुलिस ने चार लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया था। उसके कब्जे से पुलिस ने एके–47, नाइन एमएम पिस्टल और भारी मात्रा में कारतूस का खोखा के साथ ही एक बाइक बरामद किया है। शंकरगढ़ क्षेत्र में गुरुवार को एसटीएफ प्रयागराज यूनिट और एक कुख्यात अपराधी के बीच हुई मुठभेड़ में 4 लाख रुपये का इनामी बदमाश आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह निवासी जे सी मल्लिक रोड , धनबाद, झारखंड मारा गया। बिहार और झारखंड से जुड़ा यह अपराधी कई संगीन मामलों में वांछित था। वह अंतरराज्यीय गैंग से जुड़ा था और पुलिस को लंबे समय से इसकी तलाश थी। एसटीएफ प्रयागराज को इनपुट मिला था कि यह वांछित अपराधी शंकरगढ़ क्षेत्र में मौजूद है। सूचना के आधार पर टीम तत्काल मौके पर पहुंची। टीम में शामिल अधिकारी जेपी राय, प्रभंजन और रोहित सिंह ने जब उसे पकड़ने की कोशिश की, तो अपराधी ने एके–47 राइफल से अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले में एसटीएफ के सभी सदस्य बाल–बाल बच गए।स्थिति की गंभीरता को देखते हुए टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की। कुछ ही देर चली मुठभेड़ में अपराधी को गोली लग गई और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे तत्कालत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शंकरगढ़ पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बाढ़ से खाली हो रहे स्थानों में करें व्यापक स्तर पर सफाई – डीएम

प्रयागराज, (संवाददाता)। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने नगर आयुक्त साई तेजा के साथ गुरुवार को चांदपुर सलोरी एवं मऊ सरैया, गंगानगर क्षेत्र में बाढ़ के पश्चात मोहल्ले की साफ सफाई की स्थिति, मोहल्ले के खाली पड़े प्लॉट में जलभराव एवं उसमें से बाढ़ के पानी की निकासी एवं पानी से भरे खाली प्लॉटों में स्प्रे ड्रोन से एंटी लार्वा का छिड़काव किए जाने एवं स्वास्थ्य से संबंधित सुविधाओं की उपलब्धता के दृष्टिगत निरीक्षण करते हुए सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिये हैं। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय लोगो से बातचीत कर उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की जिसपर लोगों के द्वारा बताया गया कि मुहल्ले से तेजी से पानी निकल रहा है अब उन्हीं स्थानों पर जल जमाव है जो स्थान निचले स्तर पर है। जैसे–जैसे जलस्तर नीचे जा रहा है, खघली हो रहे स्थानों पर साफ सफाई का काम हो रहा है। लोगो के द्वारा जिलाधिकारी से साफ–सफाई की व्यवस्था व प्रशासन की व्यवस्थाओं एवं बाढ़ से निपटने हेतु किए गए कार्यो पर संतुष्टी व्यक्त की गयी। उन्होंने अपर नगर आयुक्त नगर निगम से कहा कि साफ–सफाई एंटी लार्वा एवं ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नियमित रूप से होता रहे तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होने पाए। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एके तिवारी, अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्रा, अपर नगर आयुक्त दीपेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारी सदर अभिषेक सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा-भाजपा एक ही थाली के चट्टे-बट्टे- स्वामी प्रसाद मौर्य

प्रयागराज, (संवाददाता)। पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने सपा और भाजपा पर जमकर हमला बोला। गुरुवार को प्रयागराज में उन्होंने कहा कि पीडीए पाठशाला को लेकर जो राजनीतिक जंग जारी है। वो ष्नूरा कुश्तीष् है। बीजेपी और सपा दोनों दलों का चाल, चरित्र और चेहरा एक जैसा है। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि एक तरफ बीजेपी कट्टर हिंदू बनने की राजनीति कर रही है, तो दूसरी ओर सपा सॉफ्ट हिंदू बनने की कोशिश कर रही है। दोनों दल जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की सरकार में भी गुंडागर्दी चरम पर थी और आज योगी सरकार में भी यही हाल है। प्राथमिक स्कूलों को बंद करने के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रही। जबकि उनकी पार्टी ने पूरे प्रदेश में धरना–प्रदर्शन और बाइक रैली निकालकर सरकार को फैसले से पीछे हटने पर मजबूर किया। स्वामी मौर्य ने कहा कि समाज वादी पार्टी पीडीए की परिभाषा तक स्पष्ट नहीं कर पाई है। जनता आज उलझन में है कि अखिलेश का पीडीए आखिर है।

आरआरबी के पूर्व चेयरमैन व 2 रेलकर्मियों के आवास पर सीबीआई का छापा

गोरखपुर, (संवाददाता)। आरआरबी के पूर्व चेयरमैन और दो रेलकर्मियों के आवास पर बृहस्पतिवार को सीबीआई का छापा पड़ा है। बताया जा रहा है कि ये छापा लखनऊ की सीबीआई की टीम ने डाला है। पूर्व में हुए नियुक्ति प्रकरण में गड़बड़ी की जांच करने सीबीआई की टीमें आई हैं। आरआरबी में जांच करने के बाद दोपहर में इन तीनों के आवास पर भी जाने की सूचना है। लेकिन, कोई मिला नहीं। सीबीआई की टीम ने घर वालों से पूछताछ की और जरूरी प्रपत्र मौके से लिए हैं। बताया जा रहा है कि मॉडर्न कोच फैक्टरी, रायबरेली में फर्जी तरीके से बेटों की नियुक्ति कराने के संबंध में ये छापा मारा गया है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं है। रेलवे भर्ती बोर्ड के निर्देश पर पिछले महीने जांच करने आई दिल्ली विजिलेंस की टीम ने वर्ष 2018 से अब तक की हुई सभी नियुक्तियों से संबंधित 280 फाइलें अपने साथ ले गई थी। प्रारंभिक जांच के आधार पर पहले गोरखपुर आरआरबी के चेयरमैन नुरुद्दीन अंसारी और उनके निजी सचिव को निलंबित कर दिया गया था। सूत्रों की माने तो रेलवे बोर्ड ने शुक्रवार को ही इस संबंध में आरआरबी गोरखपुर के चेयरमैन को केस दर्ज कराने के लिए पत्र भेजकर निर्देश दिया है।

कानपुर से रोडवेज बस में आया था 14 क्विंटल मिलावटी खोआ, पकड़ा गया

गोरखपुर, (संवाददाता)। कानपुर से मिलावटी खोआ आने का धंधा रुक नहीं रहा है। बुधवार सुबह बांदा डिपो की एक बस में रखे 31 बोरी खोआ को रोडवेज के अफसरों ने पकड़ा और खाद्य सुरक्षा विभाग को सूचित किया। मौके पर कोई इसका दावेदार नहीं आया। हालांकि, दोपहर बाद दो व्यापारी इसमें से 26 बोरी खोआ को अपना बताते हुए ले गए। पांच बोरी खोआ विभाग में जब्त है। सभी का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। चर्चा है कि रक्षाबंधन में मिठाई की खपत को देखते हुए खोआ मंगाया जा रहा है। बीते साल दशहरा–दिवाली और इस साल होली से पहले खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट के खिलाफ अभियान चलाया। उस दौरान रोडवेज बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर भी बड़ी मात्रा में कानपुर का मिलावटी खोआ पकड़ा गया था। लगातार कार्रवाई हुई तो खोआ मंडी के व्यापारियों ने भी मिलावटी खोआ बेचने से हाथ खड़ा किया था। लेकिन कुछ महीने की शांति के बाद ही यह धंधा फिर पुराने ढर्रे पर लौट आया है। बुधवार सुबह बांदा डिपो की गोरखपुर आई बस में 31 बोरी खोआ कानपुर में लोड किया गया था। इसकी जानकारी होने पर रोडवेज के आरएम लव कुमार व अन्य अफसर इस बस की तलाश करते हुए पहुंचे। चालक–कंडक्टर ने इस बस को रोडवेज परिसर के बजाय डीएम कार्यालय के नजदीक सड़क पर खड़ा किया था। अफसर वहां पहुंचे और कंडक्टर–चालक से गड़ी में लदी बोरियों के बारे में पूछताछ की तो तब मामला खुला। इसकी सूचना मिलने पर सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. सुधीर कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और बोरियों को बस से उतरवाकर कब्जे में ले लिया। दोपहर बाद खोआ मंडी के दो व्यापारी पहुंचे और इसे अपना बताते हुए 26 बोरी खोआ ले गए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।